मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

24 दिसम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 34 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

मध्य प्रदेश में नहीं पड़ेगी गूगल मैप की जरूरत

लोकपथ एप-2 बताएगा राज्य की हर लोकेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में जैसे ही कोई वाहन प्रवेश करेगा, उसे अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए गूगल मैप्स (Google Map) की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उसे प्रदेश की हर लोकेशन लोकपथ एप-2 (Lokpath App 2) पर मिल सकेगी। इस एप को मध्य प्रदेश सरकार का लोक निर्माण विभाग तैयार करा रहा है।

टोल की दर सहित अन्य जानकारियां भी उपलब्ध कराएगा – गुजरात के भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से तैयार हो रहे इस एप में प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य के मार्ग, मुख्य जिला सड़क से लेकर सभी तरह की सड़कें शामिल रहेंगी। यह एप मार्गों का विकल्प तो बताएगा ही, साथ ही रास्ते में पड़ने वाले धार्मिक व प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ थाना, अस्पताल, होटल, टोल प्लाजा, टोल की दर सहित अन्य जानकारियां भी उपलब्ध कराएगा।

देश में पहली बार इस तरह के प्रयोग का दावा – प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का दावा है कि देश में पहली बार कोई राज्य इस तरह का प्रयोग करने जा रहा है। बता दें कि मध्य प्रदेश में गुणवत्तापरक सड़क, पुल-पुलिया, भवन आदि निर्माण कार्य हों, यह सुनिश्चित करने के लिए लोकपथ एप बनाया गया है।

निर्माण कार्यों को लेकर शिकायत भी कर सकते हैं – इसमें आमजन निर्माण कार्यों को लेकर शिकायत कर सकते हैं, जिसकी जांच एक निश्चित अवधि में कराकर उसकी रिपोर्ट से संबंधित को अवगत भी कराया जा रहा है। इस एप को और जन उपयोगी बनाने के लिए मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग गुजरात के भास्कराचार्य संस्थान के साथ मिलकर काम कर रहा है।

विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह का कहना है कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर सभी राष्ट्रीय राजमार्ग सहित सभी मार्गों की लेयर उपलब्ध हैं। इन्हें एप पर लेने का काम किया जा रहा है। गूगल मैप्स पर कम विकल्प उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से जो लोकपथ एप-2 तैयार करवा रहे हैं।

एप को डाउनलोड करने का यह फायदा होगा – उसमें टोल प्लाजा, उसकी दर के साथ ही प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल, अस्पताल, थाने और होटल की जानकारी भी उपलब्ध होगी। एप को डाउनलोड करने का लाभ यह होगा कि सभी जानकारी एक प्लेटफार्म पर मिल जाएंगी।

ब्लैक स्पाट भी बताएगा एप – मध्य प्रदेश में बाहर से आने वाले व्यक्ति को सड़क की स्थिति के बारे में पता नहीं होता है। यहां सभी तरह के 142 हाईवे पर 200 किलोमीटर से अधिक के 450 से अधिक ब्लैक स्पाट (दुर्घटना वाले क्षेत्र) हैं।

लोकपथ एप-2 एक किलोमीटर पहले सूचना देगा कि आगे ब्लैक स्पाट है, गति नियंत्रित कर लें। जब दूरी 200 मीटर बचेगी तो फिर सूचना मिलेगी। यह सुविधा गूगल मैप्स में नहीं है। एंबुलेंस और 911 पर सीधे काल कर सकेंगे। हादसा होता है तो किस रास्ते से अस्पताल पास पड़ेगा, यह विकल्प भी एप बताएगा।

सांवरिया सेठ के भक्तों पर बढ़ता अत्याचार... भक्त लाचार... प्रशासन बना कंस....

(मालवा फर्स्ट नीमच)
✍ ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

सांवरिया सेठ के भक्तों की संख्या और उनके भावना सेठ की कृपा से दिनों दिन बढ़ रही है। देश विदेश से रोजाना हजारों सेठ के भक्त दर्शन करने घंटो लाइन में लगकर सेठ के दर्शन को उमड़ते है। आस्था और विश्वास दोनों निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। लेकिन भगवान और भक्तों के बीच प्रशा*सन कंस बन कर खड़ा दिख रहा है। कोई सुनने वाला नही... कोई देखने वाला नही... सिर्फ देख रहा है तो सांवरा। अपने भक्तों के साथ हर रोज बढ़ रहे अत्याचार को देख स्वयं सेठ के भी आंसू निकल ही पड़ते होंगे। दूर दूर से सांवरे के दर्शन को आये भक्तों को जानवरों जैसे धक्के खाने पड़ते है...। गालियां खानी पड़ी रही है...। कभी कभी तो दर्शन से तक वंचित होना पड़ता है...। वहां मंदिर की व्यवस्था को सुचारू और सुलभ बनाने के बजाए कंसों ने सुरक्षाकर्मियों के रूप में दैत्य छोड़ रखे है...।

हर थोड़े दिनों में कोई ना कोई मामला देखने को अब आम हो गया है। जहां सुरक्षाकर्मी अपनी गुंडई पर आमादा हो जाते है। भक्तों को भगवान के बजाय लाठी डंडों के दर्शन करवा रहे है। प्रशासन व पुलिस भी मूक दर्शक बन सब होते देखती रहती है। इन गुंडों को खुली छूट दे रखी है । भगवान के दर्शन भी वीआईपी और नॉन वीआईपी बना दिए गए है। कुछ को गार्डन के रास्ते सीधे अंदर ले भेज दिया जाता है। अरे कंसों भगवान के यहां कोई वीआईपी नही सेठ के लिए उनके सारे भक्त ही वीआईपी होते है। मंदिर प्रशासन द्वारा दोहरा रवैया अपनाया जाता है। जहां एक ओर रोजाना कई लोग मंदिर के कई लोग वहां की रील बना बना कर डालते है, उन्हें खुली छूट मिल जाती है, मंदिर प्रशासन द्वारा अपने अपने परिचितों को और ऊंचे रसूख वालों के लिए कोई पाबंदियां नही होती, वहीं आम श्रद्धालुओं के लिए ढेरों नियम बना डाले गए है। कल ही नीमच जिले के एक युवा की नाक वहां के सुरक्षाकर्मियों द्वारा तोड़ दी गई, प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के साथ दिनों दिन बढ़ रही इस तरह की घटना की पूरे अंचल में आलोचना हो रही है। ये लोग जिस तरह से श्रद्धालुओं की भावना आहत कर रहे है, इसकी हर जगह निंदा हो रही है।

खेर... भक्त और भगवान के बीच रोड़ा बनने वाले इन कंसों को कौन समझाए। सांवरिया जी सब देख रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से सौजन्य मुलाकात

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली के बिहार निवास में नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष भाजपा श्री नितिन नबीन से सौजन्य मुलाकात कर उनको बधाई दी।

मुलाकात के बाद डॉ. मोहन यादव ने बताया की नई पौध को प्रयास करके आगे लाना सच्चे अर्थों में लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि हमारा देश विश्व में सबसे युवा देश है और पूरे विश्व में भाजपा सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनना सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और प्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। यह सब बाबा महाकाल की कृपा है। मध्यप्रदेश गरीब महिलाओं और युवाओं के साथ हमेशा खड़ा है और आगे बढ़ रहा है।

जिला प्रशासन नीमच की बड़ी कार्रवाई, गांधी सागर डूब क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर शिकंजा

नीमच जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गांधी सागर डूब क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए कुल 8 नावों को जप्त किया गया है। जप्त की गई नावों में 5 बड़ी और 2 छोटी नावें शामिल हैं, जिनका उपयोग लंबे समय से अवैध खनन गतिविधियों में किया जा रहा था।

यह कार्रवाई कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में की गई। संयुक्त टीम का नेतृत्व एसडीएम मनासा सुश्री किरण अंजना ने किया, जबकि खनिज विभाग की ओर से खनिज अधिकारी श्री गजेंद्र डाबर एवं पुलिस तथा राजस्व प्रशासन की टीम भी मौके पर मौजूद रही। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से डूब क्षेत्र में दबिश दी और अवैध गतिविधियों को रोकते हुए संबंधित संसाधनों को जब्त किया।

खनिज अधिकारी श्री गजेंद्र डाबर ने बताया कि कुंडला खानखेड़ी क्षेत्र में रेत उत्खनन कर रहे 5 बड़े फाइटर व 3 छोटी नावें जब्त कर ली गई है। उनके आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, रोज़गार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रगति का आधार - परिहार

विधायक परिहार ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की ली बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

नीमच । विधायक दिलीपसिंह परिहार ने शुक्रवार को डाक बंगले पर पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री, एसडीओ एवं अभियंताओं के साथ बैठक ली और क्षेत्र में चल रहे सडक निर्माण कार्यों की समीक्षा की। करीब दो घण्टे चली मैराथन बैठक में विधानसभा क्षेत्र में कराए जा रहे कार्यों का विधायक ने फीडबैक भी लिया।

बैठक में बैठक में अपने कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर अभी तक किए गए कार्यों की एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा की गई। खासतौर पर जयसिंहपुरा बायपास से विभिन्न ग्रामों को भी जोडा जा सके, इस पर भी विचार मंथन किया गया, वहीं विधानसभा क्षेत्र के शेष बचे सभी ग्रामों को जिला स्तर से जोडने के लिए नवीन संभावनाओं पर भी विचार किया गया। साथ ही नीमच-जीरन-मल्हारगढ़ सडक मार्ग की समीक्षा भी की गई ।

विधायक परिहार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नीमच जिले के प्रत्येक गांव की जिला स्तर से कनेक्टिविटी हो, जिससे शहरी, ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों सभी को अधोसंरचना विकास का लाभ प्राप्त हो इस आधार पर प्रस्ताव की परिकल्पना की जाये।

पीडब्ल्यूडी मंत्री का नीमच दौरा प्रस्तावित है, उससे पूर्वविधानसभा क्षेत्र की सडक निर्माण कार्यों की शेश संभावनाओं को भी तलाशकर शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अगले बजट में उन्हें शामिल कराया जा सके। विधायक परिहार ने जिले की सड़कों की कनेक्टिविटी को एकीकृत दृष्टिकोण से देखने की जरूरत जताई। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र की चारों दिशाओं में स्थित ग्रामों को जिला मुख्यालय से जोडने एवं जनपदों को भी आपस में जोड़ने वाली संरचना तैयार की जाए, जिससे जिले की आंतरिक गति और समरसता को नई दिशा मिले। विधायक परिहार ने कहा कि जनता के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने की हमारी संकल्पना है। सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, रोज़गार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सामाजिकसांस्कृतिक प्रगति का आधार हैं। हमारा उद्देश्य प्रत्येक निर्माण कार्य को सिर्फ एक तकनीकी परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को सुधारने वाले साधन के रूप में देखना है। गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार के साथ प्रत्येक परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, यही प्रयास "लोक निर्माण से लोक कल्याण" की भावना को साकार करते हैं ।

SIR के दूसरे चरण में बूथ स्तर पर ताकत झोंकेगी भाजपा

भोपाल । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का पहला चरण पूरा हो चुका है।

अब तक इस प्रक्रिया केवल चुनाव आयोग और उनके बीएलओ की ही भूमिका रही है। मंगलवार को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। इस दूसरे चरण में राजनीतिक दलों की भूमिका बढ़ गई है। खासतौर से भारतीय जनता पार्टी इस चरण में बूथ स्तर पर सक्रिय भागीदारी निभाएगी।

पार्टी की तैयारी है कि किसी भी चुनाव से पहले जिस तरह बूथ में पेज प्रभारी एक-एक मतदाता से संपर्क करते थे, ठीक उसी तरह वे पेज के हर मतदाता की पहचान कर उन नामों पर आपत्ति प्रस्तुत करेंगे, जो फर्जी हैं या 2003 के बाद जोड़े गए हैं और उनका पुराना कोई रिकार्ड नहीं है। इसी तरह जिन युवाओं के नाम सूची में शामिल नहीं है, उनके नाम भी सूची में जुड़वाए जाएंगे।

युवा संगम रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला नीमच में 24 दिसम्बर को

नीमच । जिला रोजगार कार्यालय नीमच द्वारा युवा संगम रोजगार, स्वरोगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 24 दिसम्बर 2025 बुधवार को प्रातः11 बजे से दोपहर 2 बजे तक टाउन हॉल (दशहरा मैदान) नीमच में आयोजित किया जा रहा है। इस युवा संगम कार्यक्रम में जिले के युवाओं को शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी श्री दिनेश परमार ने जिले के अधिकाधिक युवाओं से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने का आगृह किया है।

विकास में कोई कमी नहीं रखेंगे, हम सब मिलकर प्रदेश को बनायेंगे समृद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अपनेपन से कुछ और बेहतर करने की नई ऊर्जा मिलती है। शाजापुर जिले ने प्रदेश को विचारों की दिशा दी है। इसलिए विकास में पहला हक भी शाजापुर का है। हम शाजापुर जिले के विकास में कोई कमी नहीं रखेंगे। मक्सी के साथ-साथ अब शाजापुर में भी बदलाव की बयार बह रही है। हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक विकसित और समृद्ध प्रदेश बनायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का शाजापुर जिले के जनप्रतिनिधियों, उद्योग संघ, डाक्टर्स एसोशिएशन, कर्मचारी संघ, अधिवक्ता संघ, उद्योग भारती के गणमान्य जनों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पहारों के साथ अंगवस्त्रम ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री निवास पर अभिनन्दन कर आभार व्यक्त किया। बीते 2 साल के दौरान शाजापुर जिले को विकास की विभिन्न सौगातें देने के लिए आयोजित इस अभिनंदन समारोह में जिले के जनप्रतिनिधियों ने बीते दो साल की उपलब्धियों का हर्षित होकर जिक्र किया और समवेत् स्वर में 2 साल-बेमिसाल का उद्घोष किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 मेट्रोपोलिटन एरिया के बीच में शाजापुर सबसे अच्छी जगह है। शाजापुर 2 मेट्रोपोलिटन का केन्द्र बिन्दु है। शाजापुर में जल्द ही मेडिकल कॉलेज बनेगा। वहीं शुजालपुर में भी आयुर्वेदिक कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। मक्सी बहुत पहले औद्योगिक केन्द्र बन गया था लेकिन उसका विकास रूका हुआ था। अब मक्सी भी विकास की नई राह पर है। शाजापुर में भी विकास के कई काम हो रहे हैं। उन्होंने शाजापुर जिले के नागरिकों से कहा कि हम आपके लिए वो सब कुछ करेंगे, जो आप चाहेंगे। शाजापुर के विधायक श्री अरुण भीमावद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश का गौरव हैं। दो साल की अल्प अवधि में भी मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश की काया पलट दी है। शाजापुर जिले को तो सबसे अधिक सौगातें मिली हैं। इसलिए यहां के नागरिक अभिभूत हैं। हम सब हमेशा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के ऋणी रहेंगे। विधायक श्री भीमावद ने कहा कि इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन रीजन के प्रस्तावित क्षेत्र में शाजापुर जिले के अधिकांश हिस्सा को इस रीजन के दायरे में ले लिया गया है। इससे संपूर्ण जिलेवासियों में हर्ष का माहौल है, क्योंकि अब इस क्षेत्र के विकास की नई गति मिलेगी।

विधायक श्री भीमावद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर विधानसभा के मक्सी क्षेत्र में 8000 करोड़ रुपये निवेश वाली सोलर प्लेट बनाने वाले उद्योग की सौगात दी है। इसका भूमि-पूजन भी हो चुका है। इससे जिले के विकास को नये पंख मिल गये हैं। उन्होंने बताया कि शाजापुर जिला 2 महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं (पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना एवं नर्मदा-कालीसिंध परियोजना) से लाभान्वित हुआ। शाजापुर में मेडिकल कॉलेज की सौगात, आलू-प्याज की मंडी को मंजूरी, शाजापुर शहर का एबी रोज-4 लेन, मक्सी से मोहन बड़ौदिया बायपास निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इन सभी सौगातों से जिले के सभी नागरिक बेहद खुश और अभिभूत हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी ने कहा कि 2 साल में कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में भी विकास के कई काम मंजूर होकर प्रारंभ हो गए हैं। कालापीपल क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुप्रतीक्षित रोड का न केवल भूमिपूजन हो गया है, बल्कि उसका निर्माण कार्य भी अब प्रारंभ हो गया है।

उन्होंने इस बड़ी सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया। इस अवसर पर शाजापुर जिले से आए श्री हेमराज सिंह सिसौदिया, श्री दिनेश तिवारी, अन्य जनप्रतिनिधि, डॉक्टर्स, व्यापारी, उद्योगपति और बड़ी संख्या में नागरिकगण भी उपस्थित थे।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं,

बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की ह्यचमत्कार करने वालीह्न संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफर अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

संपादकीय

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।

रुपया गिरते-गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा-15.4 प्रतिशत-कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना-टेक (क्राउल-लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

मालवा पेट्रो फैक्ट्री में हुआ हादसा, सुरक्षा मानकों की उड़ी धज्जियां

फैक्ट्री में भीषण आग, 4 मजदूर झुलसे

हादसे के वक्त बिना सेफ्टी गियर के काम कर रहे थे श्रमिक, गंभीर रूप से झुलसे दो मजदूरों को उदयपुर रेफर किया

नीमच (निप्र)। जिले के झांझरवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र से सोमवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ स्थित 'मालवा पेट्रो फैक्ट्री' में सोमवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लगने से चार मजदूर बुरी तरह झुलस गए। घटना उस समय हुई जब मशीन के रखरखाव (मेंटेनेंस) का काम चल रहा था। प्राथमिक जांच में फैक्ट्री प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है, जहाँ ज्वलनशील रसायनों के बीच बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के मजदूरों से खतरनाक काम कराया जा रहा था।

वेल्डिंग की चिंगारी बनी काल - प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैक्ट्री में मशीन की मरम्मत के लिए वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इसी दौरान वेल्डिंग से निकली चिंगारी नीचे रखे अत्यधिक ज्वलनशील केमिकल पर जा गिरी, जिससे देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की

लपटें इतनी तेज थीं कि वहां मौजूद मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में एक मजदूर ने करीब 7 फीट की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी, जिससे वह झुलसने के साथ-साथ पैर में फ्रैक्चर का भी शिकार हो गया।

108 एंबुलेंस ने तत्परता से पहुँचाया अस्पताल - हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। एएलएस पायलट पंकज बैरागी, ईएमटी परमानंद पाटीदार और बीएलएस पायलट रमेश चंद्र पाटीदार ने तुरंत मोचां संभाला और घायल मजदूरों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

यह लोग हुए घायल - लालू राम (40), निवासी बामनिया केलूखेडाः गंभीर रूप से झुलसे, उदयपुर रेफर। रिजवान (35), निवासी नीमचः गंभीर हालत, रेफर। उदयपुर। मिठू लाल (21), निवासी छोटी सादड़ीः जिला अस्पताल में उपचार जारी। सोहेल (22), निवासी राजसमंदः जिला अस्पताल में उपचार जारी।

प्रबंधन पर गंभीर आरोप - नियमों को ताक पर रखकर हो रहा था काम बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री पुराने टायरों से कोक और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद बनाने का काम करती है। नियमानुसार ऐसी जगहों पर वेल्डिंग जैसा 'हॉट वर्क' करने से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम होने चाहिए और मजदूरों के पास अग्निरोधी सुरक्षा उपकरण (Safety Gear) होने अनिवार्य हैं। आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा किट के काम पर लगा रखा था।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने मौके का मुआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पुख्ता होती है, तो फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, फैक्ट्री के भीतर सुरक्षा ऑडिट को

फैक्ट्री मालिक पर गाली-गलौज और शोषण का लगाया आरोप

रस्सी फैक्ट्री में महिला मजदूरों का फूटा गुस्सा

नीमच। जिला मुख्यालय के भरभड़िया बायपास स्थित एक रस्सी फैक्ट्री में शनिवार दोपहर उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब बड़ी संख्या में महिला मजदूरों ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मोचों खोल दिया। मजदूरों का आरोप है कि महज 10-15 मिनट की देरी से आने पर उन्हें न केवल काम से निकाल दिया गया, बल्कि उनके साथ अभद्र भाषा और गाली-गलौज भी की गई। अपमान से आक्रोशित महिलाएं फैक्ट्री के मुख्य गेट के बाहर धरने पर बैठ गई और न्याय की मांग की।

पीड़ित महिला मजदूर लाली बाई जाटव व अन्य साथियों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि फैक्ट्री में उनसे रोजाना 10. घंटे काम कराया जाता है। आरोप है कि प्रत्येक महिला को 70 से 80 किलोग्राम तक का भारी वजन उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यदि कोई महिला शारीरिक अक्षमता के कारण इतना अधिक वजन उठाने से मना करती है, तो प्रबंधन द्वारा उनके साथ गाली गलौज की जाती है।

महिलाओं इसे श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन बताया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी श्रम विभाग का कोई अधिकारी निरीक्षण के लिए आने वाला होता है, तो फैक्ट्री मालिक को पहले ही भनक लग जाती है। ऐसे में वह सभी मजदूरों को छुट्टी दे देता है, ताकि कार्यस्थल की वास्तविक स्थिति और शोषण को छुपाया जा सके। मजदूरों का कहना है कि विभाग की इस चुप्पी से उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पीड़ित महिलाओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उनका वेतन श्रम नियमों के अनुसार तय किया जाए, काम के घंटे निर्धारित हों और कार्यस्थल पर होने वाले मानसिक व भाषाई शोषण को तुरंत रोका जाए। मामले में फैक्ट्री के डायरेक्टर मोहम्मद हुसैन का कहना है कि उन्हें फिलहाल इस घटना की विस्तृत जानकारी नहीं है। उन्होंने कम मजदूरी और दुर्व्यवहार के आरोपों पर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे पूरे मामले की जांच करवाएंगे और सच्चाई का पता लगाएंगे।

एक्शन मोड में सीएमओ : सुबह-सुबह सड़कों पर उतरीं दुर्गा बामनिया

हाजिरी रजिस्टर चेक कर लापरवाहों को दी चेतावनी : अतिक्रमण पर बरसीं सीएमओ

निरीक्षणः भगवान पुरा चौराहा पर दुकानों के बाहर पक्के निर्माण देख जताई नाराजगी, सामान जब्ती और नोटिस के दिए निर्देश

नीमच (निप्र)। नगर पालिका परिषद नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) श्रीमती दुर्गा बामनिया इन दिनों शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए सख्त तेवर अपनाए हुए हैं। शनिवार, 20 दिसंबर की सुबह सीएमओ ने ग्वालटोली और इंदिरा नगर क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर चेक किया, बल्कि कार्यस्थल पर अनुपस्थित या बिना ड्रेस कोड के आने वाले कर्मचारियों को कड़ी फटकार भी लगाई। सीएमओ की इस सक्रियता से नगर पालिका के लापरवाह अमले में हड़कंप मचा हुआ है।

अतिक्रमण देख भड़कीं, दुकानदारों को दी आखिरी चेतावनी इंदिरा नगर का दौरा करने के बाद सीएमओ श्रीमती बामनिया भगवानपुरा चौराहा पहुंचीं। यहाँ दुकानों के बाहर किए गए पक्के अतिक्रमण को देखकर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता

निरीक्षक को तत्काल सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे स्वेच्छा से अपना अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा अगली बार सख्त कार्रवाई करते हुए सामान जब्त कर लिया जाएगा।

प्रदूषण रोकने के लिए ग्रीन नेट अनिवार्य - शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सीएमओ ने निर्माण कार्यों को लेकर सख्त हिदायत दी है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो भी भू-स्वामी भवन निर्माण करा रहे हैं, वे ग्रीन नेट (Green Net) लगाकर ही निर्माण कार्य करें ताकि धूल और निर्माण सामग्री सड़कों पर न फैले।

डस्टबिन रखने और कचरा गाड़ी के उपयोग की अपील - निरीक्षण के दौरान उन्होंने आम नागरिकों और व्यापारियों से संवाद किया। उन्होंने अपील की कि सभी अपनी दुकानों और घरों में डस्टबिन रखें और एकत्रित कचरा केवल नगर पालिका की कचरा गाड़ी में ही डालें। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक और स्वच्छता निरीक्षक श्री अविनाश घूँघट सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने अड़मालया पंचायत सचिव पर लगाया 4.60 लाख के गबन का आरोप

डोम निर्माण की राशि का गबन पंचायत सचिव फरार..!

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने दिए नीमच जनपद सीईओ को एफआई दर्ज करने के निर्देश, ग्रामीणों ने विधायक निवास का घेराव कर लगाई न्याय की गुहार

नीमच (निप्र)। जनपद पंचायत नीमच क्षेत्र की ग्राम पंचायत अड़मालिया में विकास कार्यों की राशि में बड़े फर्जीवाड़े का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पंचायत सचिव नंदकिशोर नागदा पर। डोम निर्माण के लिए स्वीकृत 15 लाख रुपए की राशि में से 4 लाख 60 हजार रुपए फर्जी बिलों के जरिए हड़पने का गंभीर आरोप लगा है। गबन का खुलासा होने के बाद सचिव पिछले तीन महीनों से फरार है, जिससे गांव के विकास कार्य ठप पड़े हैं। शनिवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने विधायक दिलीप सिंह परिहार के निवास पर पहुंचकर सचिव की गिरफ्तारी और राशि वसूली की मांग की।

आपसी सहयोग से शुरू हुआ था काम, सचिव ने लगाया चूना ग्रामीणों ने बताया कि डोम - निर्माण के लिए एक विशेष समिति बनाई गई थी और ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से राशि जुटाकर काम शुरू किया था। जब लगभग 8 लाख रुपए की लागत का काम

पूरा हो गया और आगे के निर्माण के लिए धन की जरूरत पड़ी, तब ग्रामीणों ने सचिव नंदकिशोर नागदा से संपर्क किया। सचिव ने हिसाब देने के बजाय टालमटोल करना शुरू कर दिया। जांच में सामने आया कि सचिव ने फर्जी बिल लगाकर करीब 4.60 लाख रुपए निकाल लिए और गायब हो गया।

90 दिनों से भटक रहे ग्रामीण, विधायक ने लगाई फटकार पिछले 90 दिनों से ग्रामीण जनपद पंचायत और प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण विधायक निवास पहुंचे। ग्रामीणों का आक्रोश देख विधायक दिलीप सिंह परिहार ने तत्काल जनपद सीईओ को फोन कर फटकार लगाई। विधायक ने निर्देश दिए कि शासन की राशि का गबन करने वाले सचिव के खिलाफ तत्काल एफआईआर (FIR) दर्ज की जाए और उसे जेल भेजा जाए।

जल्द होगी रिकवरी और गिरफ्तारी - विधायक परिहार ने आश्वासन दिया कि दोषी सचिव से गबन की गई राशि वसूल की जाएगी ताकि रुका हुआ डोम निर्माण कार्य जल्द पूरा हो सके। उन्होंने पुलिस और जनपद अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगड़ने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं डार्क सर्कल्स

जिद्दी डार्क सर्कल्स (काले घेरे) से कई लोग परेशान रहते हैं। कई लोगों का मानना है कि डार्क सर्कल्स बढ़ती उम्र की निशानी होते हैं, लेकिन डार्क सर्कल्स केवल आंखों की त्वचा की समस्या नहीं हैं, बल्कि शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं। शरीर की थकावट का सीधा असर आंखों पर पड़ता है और काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। डार्क सर्कल्स को वात और पित्त के असंतुलन से जोड़कर देखा गया है। शरीर में वात और पित्त के असंतुलन, रस धातु की कमी, रक्त की अशुद्धि, पाचन शक्ति का कमजोर होना और अत्याधिक तनाव लेने से आंखों के नीचे काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। खराब जीवनशैली और गंदा खान-पान भी इसके मुख्य कारण हैं। आयुर्वेद में डार्क सर्कल्स को कम करने के प्रभावी तरीके बताए गए हैं।

डार्क सर्कल्स का सीधा संबंध शरीर के हाइड्रेशन से होता है। डार्क सर्कल्स ना हों इसके लिए पूरे दिन खूब सारा पानी पीएं और शरीर को अंदर से साफ रखें। पेशाब के जरिए शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और शरीर फिल्टर होना शुरू कर देता है। आंखों और चेहरे के निखार के लिए पेट का साफ होना भी जरूरी है। आंतों में फंसी गंदगी शरीर के कई रोगों का कारण बनती है। इसके लिए सुबह खाली पेट आंवला का रस या आंवला चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर गर्म पानी के साथ लें। इससे पेट साफ रहेगा ।

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए बाहरी उपाय भी जरूरी हैं। इसके लिए मुलेठी, मंजिष्ठा, गुलाब की पत्तियां और मीठे बादाम के तेल को एक साथ गर्म कर लें और इस मिश्रण को छानकर एक शीशी में भर लें। रात के समय सोने से पहले इस तेल से आंखों के आस-पास मसाज करें। मसाज सर्कुलर मोशन में करें। इससे धीरे-धीरे डार्क सर्कल्स कम होने लगेंगे। इसके अलावा रात के समय ही देसी घी में दो बूंद गुलाब जल मिलाकर भी आंखों के आस-पास मसाज की जा सकती है। इससे आंखों की थकान कम होगी, रक्त संचार बढ़ेगा और झुर्रियां भी कम होंगी ।इसके साथ ही पूरी नींद लेना जरूरी है। कम से कम 7 घंटे की नींद जरूरी लें और बेवजह के तनाव से बचें। तनाव की वजह से पेट, मन और मस्तिष्क तीनों बुरी तरीके से प्रभावित होते हैं।

गर्म मोजे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं या सिर्फ भ्रम? फिजीशियन ने खोला राज, जानें सच्चाई

क्या गर्म मोजे वास्तव में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं? फिजीशियन बताते हैं कि गर्म मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार नहीं बढ़ाते, बल्कि ठंड में शरीर द्वारा रक्त वाहिकाओं को संकुचित करने से रोककर अप्रत्यक्ष रूप से इसे बेहतर बनाए रखते हैं, खासकर कमजोर ब्लड सर्कुलेशन वाले लोगों और डायबिटिक मरीजों के लिए।

सर्दियों के दौरान सबसे ज्यादा ठंडे हमारे पैर रहते हैं। ठंड के मौसम में अचानक से पैर एकदम ठंडे हो जाते हैं। इसके पीछे डायबिटीक न्यूरोपैथी में होने वाली जलन से लेकर सुन्नपन तक, हमारे पैरों की सेहत हमारे पूरे शरीर की सेहत से गहराई से जुड़ी होती है। इस मौसम में ठंडे पैरों को गर्म रखने के लिए अक्सर लोग घर के अंदर भी गर्म मोजे पहनना पसंद करते हैं। कई लोगों को मानना होता है कि पैरों को गर्म रखने के लिए खून का प्रवाह अपने आप तेज हो जाता है। हालांकि, कुछ लोगों को मानना है कि यह केवल एक मिथ है और गर्म मोजे पहनने से सर्कुलेशन पर कोई असर नहीं दिखता है। आइए आपको बताते हैं पूरी सच्चाई क्या है?

क्या गर्म मोजे पहनने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट ने मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार को नहीं बढ़ाते, लेकिन वे कई तरीकों से इसे बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। ठंड बढ़ने पर शरीर रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है, जिससे पैरों में रक्त प्रवाह कम हो जाता है। ऐसे में गर्म मोजे शरीर से निकलने वाली गर्मी को रोकते हैं, जिससे ब्लड वैसेल्स के अत्यधिक संकुचन की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस तरह वे अप्रत्यक्ष रूप से रक्त संचार को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसलिए ठंड के मौसम में गर्म मोजे एक प्रकार के थर्मल प्रोटेक्शन की तरह काम करते हैं।

गर्म मोजे पहनने के फायदे

– गर्म मोजे पहनने से कई फायदे तो जरुर मिलते हैं, जैसे कि– जिन लोगों का ब्लड सर्कुलेशन कमजोर हो।

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

पसंदीदा खाना भी खाएं और बिंज ईटिंग भी रोकें, जानें स्मार्ट तरीका

अगर आप वेट लॉस पर हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग कहीं ना कहीं आपकी सारी जर्नी को खराब कर सकती है। हालांकि, बिंज ईटिंग कई वजह से हो सकती है, कभी स्ट्रेस, कभी बोरियत, कभी हार्मोन्स तो कभी सामने अपना फेवरिट फूड देखकर रुका ही नहीं जाता। फिर बाद में बस गिल्ट ही होता है।

अमूमन लोग सोचते हैं कि बिंज ईटिंग रोकने के लिए उन्हें अपने फेवरेट फूड्स को खाना बंद करना पड़ेगा। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप अपने फेवरेट फूड से दूरी बनाते हैं तो ऐसे में दिमाग उतना ज्यादा उसी खाने के बारे में सोचता रहता है। फिर क्रेविंग इतनी हाई हो जाती है कि हम कंट्रोल ही नहीं कर पाते। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हों, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपना पसंदीदा खाना खाते हुए भी बिंज ईटिंग को आसानी से मैनेज कर सकते हैं–

खुद को खाने की दें परमिशन

अक्सर यह देखा जाता है कि लोग अपने पसंदीदा खाने से लगातार दूरी बनाते हैं, लेकिन इससे उनका माइंड उसे ज्यादा खाने की इच्छा करता है। इसलिए, खुद को खाने की परमिश नें। आप अपने पसंदीदा स्नैक का एक छोटा सा हिस्सा जरूर खाएं। जब आपके माइंड को यह लगता है कि उसका पसंदीदा खाना उसके लिए अवेलेबल है तो ऐसे में क्रेविंग अपने आप कम होने लगती है।

स्मार्टली खाएं अपना खाना

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

भूल से भी मील स्किप ना करें

अगर आप वजन कम करने के चक्कर में या फिर अपने कैलोरी काउंट को कम करने के लिए मील स्किप करते हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग और क्रेविंग्स को मैनेज करना काफी मुश्किल होगा। इसलिए, दिनभर में तीन मेन मील्स जरूर लें। साथ में, एक या दो लाइट व हेल्दी स्नैकिंग जरूर करें। जब आप टाइम से अपनी मील्स लेते हैं और वह फाइबर व प्रोटीन रिच होता है तो बिंज ईटिंग की इच्छा नहीं होती है।

एनवायरनमेंट पर भी दें ध्यान

आमतौर पर हम सभी बिंज ईटिंग तब सबसे ज्यादा करते हैं, जब हमें खाना सामने दिखता है। इसलिए, बिंज ईटिंग को मैनेज करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने एनवायरनमेंट को भी हेल्दी बनाओ। जंक व अनहेल्दी फूड को आंखों के सामने से दूर रखो। इसकी जगह किचन में फलों को रखें, जो आपको आसानी से दिख जाएं। साथ ही, आप अपने फेवरेट स्नैक को छोटे पैक में रखें, ताकि आप ओवरईटिंग करने से बच जाएं।

एक महीने चावल छोड़ा, तो शरीर में दिखे ये 3 बड़े बदलाव, आप भी हो जाएंगे हैरान !

एक महीने तक चावल छोड़ने पर शरीर में पांच बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं, जैसे वजन में कमी, शुगर लेवल कंट्रोल, और पेट में हल्कापन। शुरुआती 10 दिनों में ये असर दिखते हैं, हालांकि तीसरे हफ्ते तक चावल की क्रेविंग हो सकती है।

क्या आपने कभी सोचा है कि 1 महीने तक चावल छोड़ने के बाद शरीर पर कैसा प्रभाव होगा। अगर आप एक महीने तक चावल का सेवन नहीं करेंगे तो इसका असर आपके ओवरऑल वॉडी पर जरुर दिखता है। अक्सर होता है कि थकान, चेहरे पर सूजन , अचानक से भूख लगना और हमेशा से सुस्ती महसूस करना कई बार चावल खाने से भी हो सकता है। अगर आप 1 महीने के लिए चावल छोड़ देंगे तो यह आपको काफी आसान लग सकता है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ते गए तो मन में आया कि क्यों न एक कटोरी चावल खा लें। आइए आपको बताते हैं चावल न खाने से क्या होता है।

चावल छोड़ना इतना आसान नहीं

चावल खाना हर किसी के बेहद पसंद है। तीसरा हफ्ते तक रात में गर्मा-गरम चावल चावल की क्रेविंग्स होने लगती है। चावल की खुशबू याद आने लगती है। चावल न खाने से कई बार मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन तो कभी-कभी बिना वजह गुस्सा, कभी उदासी महसूस होती है।

पहले 10 दिन में दिखेंगे ये असर

वजन में तुरंत हल्की कमी

जब पहले हफ्ते में वजन मशीन पर वेट चेक करोंगे तो आपको अपना वजन से पहले से कम दिखेगा। क्योंकि चावल में सबसे ज्यादा कार्ब होते हैं, जो शरीर में पानी रोकते हैं। इसे हटाते ही शरीर हल्का होने लगता है।

शुगर लेवल हुआ कंट्रोल

पहले 10 दिन चावल न खाने से आपको आपके शरीर में ब्लड शुगर अचानक से ऊपर-नीचे नहीं होगा। यह शुगल लेवल को कंट्रोल करेगा।

पेट में हल्कापन

जब आप पेट भर के खाना खाते हैं, तो भारीपन जरुर महसूस होता है, हालांकि चावल छोड़ने के बाद पेट एकदम हल्का महसूस होने लगा।

चावल के हेल्दी ऑप्शन

आप चाहे तो चावल के जगह पर क्विनोआ, ओट्स,मल्टीग्रेन दलिया जैसे ऑप्शन अपनाने शुरु किए, तब शरीर में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

– पेट अच्छे से साफ होता है।
– सुबह उठना भी आसान रहता है।
– थकान गायब होने लगी।
– वजन कम होने लगा।

एक महीन के बाद आप शारीरिक और मानसिक दोनों रुप से हल्का महसूस करेंगे। वहीं, डाइटिशियन ने बताया है कि वैसे चावल सेहत का दुश्मन नहीं है। बस सही मात्रा और सही समय पर खाना जरूरी है।

ठंड में बार-बार बीमार पड़ते हैं, घर पर बनाएं ये जादुई अदरक-लहसुन सूप, डायबिटीज और हार्ट के लिए भी वरदान

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में लोग जल्दी बीमार पड़ते हैं। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होना एक आम समस्या है। इसलिए इम्यूनिटी को बढ़ाना बेहद जरूरी है। हालांकि मार्केट में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ढेर सारी ड्रिंक्स और खाद्य पदार्थ मौजूद हैं। लेकिन बाहर की ड्रिंक्स पीने से अच्छा है कि आप घर पर ही पोषक तत्वों से भरपूर ड्रिंक बनाएं। बता दें कि अदरक और लहसुन का सूप इम्यून सिस्टम को रफ्तार देने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही कुछ अन्य फायदों और इसकी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं अदरक-लहसुन का सूप

अदरक-लहसुन के सूप को घर पर बनाना काफी आसान है।

इस सूप को बनाने के लिए सबसे पहले 5-6 लहसुन की कलियां लें और 2-3 अदरक के छोटे टुकड़े।

अब इन दोनों चीजों को पीसकर पेस्ट बना लें।

फिर गैस पर कढ़ाई चढ़ाकर इसको भूनें और आप चाहें तो इसको घी से भी भून सकती हैं।

अब आप इसमें अपनी पसंदीदा सामग्री जैसे धनिया, गाजर आदि डालें। फिर इसमें जरूरत के हिसाब से पानी डालें और इसको चलाते रहें।

इस सूप को गाढ़ा करने के लिए आप इसमें थोड़ा सा आटा मिलाएं।

फिर करीब 5 मिनट तक इसको चलाएं।

इस आसान विधि से आपका अदरक-लहसुन का सूप तैयार है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक

लहसुन और अदरक दोनों ही इम्यूनिटी को बढ़ाने में काफी कारगर हैं। लहसुन में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी सेप्टिक और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं, जोकि संक्रमण से लड़ते हैं और इम्यून सिस्टम की कार्यक्षमता को बढ़ाने में कारगर हैं।

वहीं रात के समय लहसुन और अदरक का गर्म सूप पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। अदरक में एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इनको कूटकर पीने से शरीर को जबरदस्त फायदा मिलता है।

हार्ट के लिए हेल्दी

अदरक और लहसुन दोनों ही हृदय के लिए लाभकारी होता है। सूप में अदरक की मात्रा होने से यह सूप एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भर जाता है। जो धमनियों में होने वाली सिकुड़न और कोलेस्ट्रॉल को रोकता है। इस सूप के सेवन से उच्च रक्तचाप की समस्या नहीं होती है और खून भी साफ होता है। लहसुन में पाए जाने वाले पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू रखते हैं और हृदय की कोशिकाओं को भी क्षति पहुंचने से रोकते हैं। इस सूप को नियमित रूप से पीने से हृदय में होने वाली अन्य समस्याओं कोसों दूर रहती हैं।

डायबिटीज के लिए कारगर

खासतौर पर डायबिटीज के रोगियों को यह सूप पीना चाहिए। इससे उनका ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। अदरक की मात्रा आपके शरीर में बढ़े हुए शुगर लेवल को घटाता है और ए1 सी नामक हीमोग्लोबिन को भी कंट्रोल करती है। इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। वहीं लहसुन टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम करता है। एक रिसर्च के मुताबिक लहसुन का सेवन डायबिटीज के खतरे को कम करता है। यह सूप डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन दावे आंपत्तिया प्राप्त करने के संबंध मे राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

नीमच । भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार मंगलवार 23 दिसंबर को फोटो निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन, 2026 के अन्तर्गत गहन पुनरीक्षण के दौरान अब तक संपादित गतिविधियों की जानकारी प्रदान करने हेतु जिला स्तरीय एवं विधानसभा क्षेत्र, 229-नीमच स्तरीय संयुक्त बैठक कलेक्टोरेट नीमच में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, (भारत निर्वाचन)श्री हिमांशु चंद्रा के आदेशानुसार श्री संजीव साहू, अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र, 229-नीमच ने की । बैठक में श्री कृष्णकुमार शर्मा, भारतीय जनता पार्टी, बृजेश मित्तल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, नवीन कुमार अग्रवाल, आम आदमी पार्टी, श्री चंद्रेश सेन, आम आदमी पाटी, प्रेमचंद कलोसिया, बहुजन समाज पार्टी, मनोज जैन, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवंश्री अजय शुक्ला, निर्वाचन पर्यवेक्षक, उपस्थित थे

बैठक में प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के प्रारूप प्रकाशन की जानकारी दी गई तथा अवगत कराया गया कि आमजन प्रारूप निर्वाचक नामावली का अवलोकन मतदान केन्द्र निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, अन्य अभिहित स्थलों पर कर सकते है तथा अपना नाम होने की पुष्टि भी कर सकते है। यह प्रारूप निर्वाचक नामावली मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाईट http//www.Ceoelection.mp.gov.in. पर सर्च सुविधा के साथ उपलब्ध है। अनुपस्थित/स्थानांतरित/मृत/दोहरी प्रविष्टि वाले निर्वाचको के नाम प्रारूप निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है, उनकी सूची का प्रदर्शन CEO वेबसाईट, संबंधित पंचायत भवन/शहरी क्षेत्र में संबंधित नगरीय निकाय के सूचना पटल तथा संबंधित जनपद पंचायत के कार्यालय के सूचना पटल पर किया गया है। जिले में विधानसभा क्षेत्रों में गणना अवधि (Enumeration Period) के दौरान 7,732 मृत, 1036 दोहरी प्रविष्टि, 3964 अनुपस्थित तथा 12,201 स्थानांतरित निर्वाचक पाए गए है।जिनकी सूची पूर्व में मतदान केन्द्रवार BLO-BLA की बैठक में साझा कर दी गई है।

बैठक में सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को पुनः जानकारी दी गई कि प्रारूप निर्वाचक नामावली के प्रकाशन उपरांत दावे आपत्तियों को प्रस्तुत करने का कार्य 23दिसंबर2025 से 22जनवरी 2026 तक किया जाएगा। साथ ही 23.जनवरी2025 से 14.फरवरी2026 तक गणना फार्मों की जाँच के आधार पर नोटिस जारी करने तथा दावे आपत्तियों का निराकरण का कार्य किया जावेगा। सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को प्रारूप निर्वाचक नामावली की एक हार्ड कॉपी तथा एक प्रति सीडी में (फोटो रहित) उपलब्ध करायी गई है, साथ ही मतदान केन्द्रों की सूची भी प्रदान की गई हैं।

बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि प्रारूप निर्वाचक नामावली में छुटे हुए पात्र निर्वाचकों के नाम सम्मिलित कराने हेतु प्रपत्र- 06, अयोग्य व्यक्ति का नाम निर्वाचक नामावली से हटाने हेतु प्रपत्र-07 एवं प्रविष्टि में सुधार आदि के लिये प्रारूप-08 में आवेदन करने में आमजनों का सहयोग करे। बी.एल.ओंके माध्यम से भी प्रतिदिन 10 आवेदन मय सूची के इस वचन के साथ प्रस्तुत किये जा सकते है कि उसने व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रपत्रों के विवरण का सत्यापन कर लिया है तथा वह संतुष्ट है कि वे सही है। नाम जोड़ने के प्रारूप-06 के साथ एवं राज्य से बाहर से स्थानांतरित निर्वाचक के प्रकरण में घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाना है। विशषतौर से ऐसे छुटे हुए पात्र नागरिक जो 01जनवरी2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है, उन्हे प्रेरित कर निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराने के प्रयास करने का भी आव्हान किया गया ।

बैठक में बताया गया कि, गणना पत्रकों के आधार पर प्रारूप निर्वाचक नामावली में जोड़ें गए नाम की पात्रता की जाँच के आधार पर नोटिस देकर पात्रता की पुष्टि करने तथा दावे आपत्तियों की प्राप्ति एवं निराकरण का कार्य आयोग द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार जारी रहेगा । बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि निर्वाचक नामावली के संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 के सफल क्रियान्वयन हेतु सहयोग प्रदान कर निर्वाचक नामावली को शुद्ध करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए जिससे की मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सख्त निर्णय : ओवरलोड और यात्री वाहनों में फसल ढोने वालों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई

सड़कों पर पशु छोड़े तो अब खैर नहीं..!

सड़कों पर घूमने वाले मवेशी गोशाला भेजे जाएंगे, मालिक छुड़ाने आए तो भारी जुर्माना वसूलें

नीमच (निप्र)। शहर की सड़कों और तंग गलियों में मौत बनकर दौड़ते आवारा पशुओं के खिलाफ प्रशासन ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। सोमवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों ने दो-टूक लहजे में निर्देश दिए कि सड़कों पर घूमने वाले हर निराश्रित पशु को तत्काल गोशाला भिजवाया जाए। यदि कोई पशुपालक अपने मवेशी को छुड़ाने आता है, तो उससे बिना किसी रियायत के मोटी जुर्माना राशि वसूली जाए।

लापरवाह पशुपालकों पर कसेगा शिकंजा - कलेक्टर

कार्यालय में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव और एडीएम बी.एस. कलेश ने स्पष्ट किया कि नगरीय निकायों की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। सीएमओ नीमच सहित सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाकर सड़कों को मवेशी मुक्त करें। प्रशासन की मंशा साफ है- पशु सड़कों पर मिले तो गोशाला जाएंगे और मालिक आए तो जेब ढीली होगी।

ओवरलोडिंग पर 'जीरो टॉलरेंस' बैठक में केवल आवारा पशु ही नहीं, बल्कि सड़कों पर नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों पर भी चर्चा हुई। आरटीओ और यातायात पुलिस को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ओवरलोड वाहनों और यात्री बसों में कृषि उपज (फसल) ढोने वाले वाहनों के विरुद्ध तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए।

ये अधिकारी रहे मौजूद -बैठक में एसडीओपी अमित राठौर, एसडीएम संजीव साहू, यातायात थाना प्रभारी सोनू बडगुर्जर सहित सड़क निर्माण विभागों के कार्यपालन यंत्री उपस्थित थे। इस दौरान पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन की भी समीक्षा की गई और लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम दारू में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 36 रोगियों ने लिया लाभ

नीमच । नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शासकीय आयुर्वेद औषधालय दारू द्वारा मंगलवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय नई आबादी दारू में आयोजित किया गया।शिविर में कुल 36 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क औषधियां वितरित की गई।

28 दिसंबर को मनेगा कांग्रेस का 142 वां स्थापना दिवस, सेवादल करेगा ध्वजारोहण

नीमच (निप्र)। कांग्रेस सेवादल जिला नीमच द्वारा इस माह के आखिरी रविवार, 28 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जिला कांग्रेस कार्यालय 'गांधी भवन' पर विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सुबह 10:30 बजे कांग्रेस पार्टी का ध्वजारोहण किया जाएगा और साथ ही पार्टी का 142 वां स्थापना दिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजन - सेवादल जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह यादव (ठेकेदार) ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई, महाराष्ट्र प्रभारी योगेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर तय किया गया है।

हर माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले इस ध्वजारोहण की जिम्मेदारी नीमच में सेवादल को सौंपी गई है।

वरिष्ठ नेताओं का होगा सम्मान - स्थापना दिवस के अगले दिन, यानी 29 दिसंबर को गांधी भवन में एक अन्य गरिमामय कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें सेवादल द्वारा जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जाएगा।

बैठक में सौंपी जिम्मेदारियां - आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार दोपहर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित गार्डन में सेवादल की बैठक संपन्न हुई। इसमें जिलाध्यक्ष यादव ने पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष इलियास कुरैशी, संगठन मंत्री जावेद दुर्रानी, महिला संगठन जिलाध्यक्ष बेबी मेहरा, नीमच शहर ब्लॉक अध्यक्ष भुवान सिंह राजपूत, शिवहरे लतीफ पठान, मदन सिंह धानका सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुड्डीबाई को पट्टे की जमीन पर कब्जा दिलाने के एसडीएम को दिए निर्देश

कलेक्टर ने की जनसुनवाई-107 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसनुवाई करते हुए 107 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम धामनिया की गुड्डीबाई ने कलेक्टर से अपने ससुर के नाम की पट्टे की जमीन पर गांव के अन्य समाज के लोगो द्वारा किया गया अवैध कब्जा हटाकर कब्जा दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम को गुड्डीबाई के आवेदन की जांच कर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए।

बगदीबाई को उपचार के लिए 10 हजार रूपये की मिली मदद - मडावदा के सीताराम रेगर ने अपनी पत्नि बगदीबाई के किडनी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने के लिए कलेक्टर से अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने बगदीबाई के उपचार के लिए रेडक्रास से 10 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। जनसुनवाई में जावद के दिलीप थारेचा ने मोरवन तालाब नहर को तोड़ने वालो के विरूद्ध कार्यवाही कर, नहर चालू करवाने के अनुरोध पर जल संसाधन विभाग को नहरों को क्षति पहुचाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए है । जनसुनवाई में बरडिया की आशा, सरवानिया महाराज के विनोद कुमार, नीमच केंट के रज्जाक हुसैन, विकास नगर नीमच के रमेशचंद्र, मोरवन के अब्दुल गनी, डोराई की रूकमाबाई, घसुंडी बामनी के सुरजमल, बरखेडा कामलिया के जगदीशचंद्र, बघाना की ईशिका, गिरदौडा के रूपचंद शर्मा, बरडिया जागीर के देवकिशन, धामनिया के महेन्द्र सिंह, दलावदा की अंशीबाई ने अपना आवेदन प्रस्तुत कर समस्या सुनाई । इसी तरह भगवानपुरा की ईंदिराबाई, राजाखेडी की आरती, कुकडेश्वर के लक्ष्मीनारायण, जुना मालाहेडा की बच्चीबाई जमुनिया कला के हरिश, नीमच सिटी के सुखदेव, रतनगढ के चांदमल चारण, नीमच के मकबूल हसैन, सरजना के यशवंत सिह, कनावटी के मोहम्मद अल्फाज, खानखेडी क श्यामलाल, अम्बेडकर कॉलोनी नीमच के लाला, तालखेडा की सरजूबाई, जयसिंगपुरा की अफसाना, सिरखेडा की फुलाबाई, सावन के मुन्नालाल, सेमली चंद्रावत के राधेश्याम, रानपुर की बबलू कुंवर ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन का सम्भागीय सम्मेलन मोरवन में सम्पन्न

सम्मेलन में डीआर, धारा 49,6 विलोपित, पेंशन गारंटी, पुरानी पेंशन बहाल सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई

नीमच (निप्र)। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश जिला नीमच द्वारा रविवार को मोरवन रामद्वारा में पेंशनर्स दिवस के उपलक्ष्य में संभागीय सम्मेलन संपन्न हुआ। इस विशाल सम्मेलन में जिले सहित आस पास से सैकड़ों की संख्या में राजकीय व केंद्रीय अलग-अलग विभाग से पेंशनर्स शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रांतीय उपाध्यक्ष शमशेर सिंह तोमर, संभागीय अध्यक्ष कोमल भुतडा मंदसौर जिला अध्यक्ष सतीश नागर, संरक्षक सी के शर्मा नीमच जिला अध्यक्ष शंभू लाल बगाड़ा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वित कर कार्यक्रम की शुरुआत करी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष शमशेर सिंह ने कहा कि पेंशनरों को डीआर समय पर दिया जाए धारा 49,6 को विलोपित की जाए पेंशन की गारंटी दी जाए और पुरानी पेंशन बहाल की जाए। सरकार तुरंत हमारी मांगों को संज्ञान में लेते हुए उचित कदम उठाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों ने एक-एक कर मंच से उद्बोधन दिए साथ ही इस विशाल कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला अध्यक्ष सहित पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्बोधन के बाद सभी का सहभोज के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम में मदन टेलर, मांगीलाल जैन, ओम प्रकाश शर्मा, बंसीलाल पुरोहित, वासुदेव ऐरन, अनवर हुसैन, श्रीपाल जैन, जगदीश बंजारा, सहित सैकड़ो की संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरुण सोलंकी ने किया वह आभार मांगीलाल जैन ने माना।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

हृदय रोगों के लिए अंचल का एकमात्र स्थान
आपका दिल अनुभवी हाथों में है।
नीमच के एकमात्र अनुभवी एंव वरिष्ठ
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. (मेजर)अजीत प्रताप सिंह
MBBS, MD Medicine DM Cardiologist (Gold Medalist)
EX-Indian Army Officer (Dr.)
की नियमित की सेवाएं

संबंधित बीमारी हेतु मिलें
- हार्ट अटैक, सीने में तेज दर्द होना
- छाती में भारीपन महसूस होना
- हाई ब्लड प्रेशर
- जन्मजात हृदय रोग
- बच्चों में हृदय संबंधी समस्याएं
- ज्यादा पसीना आना
- चलने/लेटने पर सांस का भरना
- नाड़ी का तेज या धीमा चलना
- सीने के बीच या साइड मे जलन होना
- शुगर व गुर्दा रोग के कारण हार्ट पर दूष्प्रभाव होना
- हृदय या शरीर की किसी भी नली में रुकावट

हृदय रोग
संबंधित सम्पूर्ण जाँचें केथ लेब द्वारा
- एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी
- इकोकार्डियोग्राफी एवं TMT/Holter ABPM
- CRT/ICD/पेसमेकर की सुविधा उपलब्ध
- कार्डियक एवं वेस्कुलर संबंधी जाँच
- बच्चों में हृदय संबंधित समस्याएँ
- हृदय रोग का अत्याधुनिक इलाज

प्रतिदिन परामर्श : समय - प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक
किसी भी हृदय रोग सम्बंधित इमरजेंसी में सम्पर्क करे
ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ग्राम: कनावटी, ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, नीमच (म.प्र.)
सम्पर्क : 07423-354354, 6262778282

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।